the year 1995-96, category wise i.e. sponsored and commissioned;

(b) the number of teleserials lying for want of approval in both the sponsored as well as commissioned category; and

(c) the logic behind retelecast of many long serials?

THE MINISTER OF CIVIL AVIATION AND MINISTER OF INFORMATION AND BROADCASTING (SHRI CM. IBRAHIM): (a) The gross revenue earned by Doordarshan during the year 1995-96 was Rs. 430.13 crores. Bills are raised agency-wise and product-wise. No category-wise record is being maintained. Regional Kendras raise the bills for telecast of commercials at respective Kendra levels.

(b) The details are as under:—

Sponsored	:	564
Commissioned	:	243

(c) Normally serials are not retelecast but some very popular and commercially viable serials are retelecast keeping in view the pressing public demand, prospects of higher revenue earning, and increasing viewership.

दरभंगा और पटना से वज्जिका भाषा में प्रसारण

1758. **श्री राम देव भंडारी** : क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) बिहार राज्य के दरभंगा और पटना आकाश-वाणी/दूरदर्शन केन्द्रों से वज्जिका भाषा में प्रसारित कार्यक्रमों की स्थिति क्या है,

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण है?

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं , तो इसके क्या कारण हैं?

नागर विमानन मंत्री तथा सूचना और प्रसारण मंत्री (श्री सी. एम. इब्राहिम) : (क) से (ग) : 1991 की जनगणना रिपोर्ट में विज्जका बोली का कोई उल्लेख नहीं है। वज्जिका और मैथिली को हिन्दी की उप-बोलियां समझा जाता है । क्योंकि अधिकाशं वज्जिका/मैथिली भाषी लोग हिन्दी को अच्छी तरह से समझ सकते हैं इसलिए वज्जिका में अलग से कार्यक्रमों को प्रसारित/टेलीकास्ट करना सम्प्रेषण की दृष्टि से अनिवार्य नहीं है । तथापि, दूरदर्शन केन्द्र, पटना नियमित रूप से वज्जिका में लोक संगीत प्रसारित करता है ।

दूरदर्शन द्वारा मध्य प्रदेश के छत्तीसगढ़ क्षेत्र में उप-केन्द्र स्थापित किया जाना

1759. **श्री दिलीप सिंह जूदेव** : क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेगे कि :

(क) वर्ष 1996-97 के दौरान मध्य प्रदेश के छत्तीसगढ़ क्षेत्र में किन-किन स्थानों पर दूरदर्शन प्रसारण केन्द्र (उप-केन्द्र) स्थापित किए जाने का प्रस्ताव है;

(ख) इनमें से किन-किन स्थानों के लिए स्वीकृत आदेश जारी किए जा चुके हैं और किन-किन स्थानों के लिए सभी उन पर विचार किया जा रहा है;

(ग) इनमें से किन-किन उप केन्द्रों पर कर्मचारियों को तैनात किए जाने का प्रस्ताव है, और

(घ) रायगढ़ जिले के जशपुर नगर में स्थापित हो चुके उप-केन्द्र जो बिलासपुर के नियंत्रण केन्द्र से 340 किलोमीटर दूर है, पर कर्मचारी तैनात किए जाने संबंधी ब्यौरा क्या है?

नागर विमानन मंत्री तथा सूचना और प्रसारण मंत्री (श्री सी.एम. इब्राहिम) : (क) और (ख) ब्यौरा संलग्न विवरण में दिया गया है। (**नीचे देखिए**)

(ग) और (घ) हालांकि, जशपुर नगर अति अल्प शाक्ति ट्रांसमीटर सहित अति अल्प शक्ति टी.वी. ट्रांसमीटर कर्मचारी के बिना स्थापित है, तथापि, मानदण्डों के अनुसार, अपेक्षित स्टाफ को अल्प शक्ति ट्रांसमीटरों एंव उच्च शक्ति ट्रांसमीटरों के प्रचालन और अनुरक्षण के लिए लगाया जाता है ।

विवरण

मध्य प्रदेश के छत्तीसगढ़ क्षेत्र में, 1996-97 के दौरान चालू की गयी, वर्तमान में कार्यान्वयनाधीन एंव स्थापित किए जाने हेतु परिकल्पित टी.वी. परियोजनाएं :

(1) 1996-97 के दौरान चालू की गयी टी.वी. परियोजनाएं :

1. अति अल्प शक्ति ट्रांसमीटर, जशपुरनगर।
2. अति अल्प शक्ति ट्रांसमीटर, कोन्डागांव।

(2) कार्वान्वयनाधीन टी.वी. परियोजनाएं :

1. अल्प शक्ति ट्रांसमीटर, सारनगढ़
2. अल्प शक्ति ट्रांसमीटर, सक्ति
3. अल्प शक्ति ट्रांसमीटर, नारायणपुर
4. अति अल्प शक्ति ट्रांसमीटर, कोलीबेडा
5. अति अल्प शक्ति ट्रांसीमटर, मोदकपाल
6. अति अल्प शक्ति ट्रांसमीटर, बीजापुर
7. अति अल्प शक्ति ट्रांसमीटर, पेन्डरा रोड

(3) स्थापना हेतु परिकलिपत टी.वी. परियोजनाएं :

(स्कीमें अभी सक्षम प्राधिकारी द्वारा स्वीकृत की जानी है)

1. उच्च शक्ति ट्रांसमीटर, अम्बिकापुर
2. अल्प शक्ति ट्रांसमीटर, पाथालगांव
3. अल्प शक्ति ट्रांसमीटर, खाराड़

संकेत चिन्ह : एच0पी0टी0 : उच्च शक्ति टी.वी. ट्रांसमीटर

एल.पी.टी. : अल्प शक्ति टी.वी. ट्रांसमीटर

वी.एल.पी.टी. : अति अल्प शक्ति टी.वी. ट्रांसमीटर

आकाशवाणी और दूरदर्शन पर शैक्षणिक कार्यक्रम प्रसारण के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग तथा इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय को आबंटित समय

1760. **श्री दिलीप सिंह जूदेव** : क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) विश्वविद्यालय अनुदान आयोग तथा इंदिरा गांधी राष्ट्रीय विश्वविद्यालय को शैक्षणिक कार्यक्रमों से प्रसारण हेतु वर्ष 1995 और 1996 में आकाशवाणी और दूरदर्शन पर कुल कितना समय आबंटित किया गया;

(ख) इस अवधि में दोनों संस्थाओं द्वारा हिन्दी और अंग्रेजी भाषा में कितने-कितने समय के लिए कार्यक्रम प्रसारित किए गए,

(ग) क्या इन कार्यक्रमों का उद्देश्य हिन्दी माध्यम अथवा अंग्रेजी माध्यम में शिक्षा प्राप्त कर रहे विद्यार्थियों को ज्ञानार्जन के अवसर उपलब्ध कराना है, और

(घ) यदि हां, तो हिन्दी भाषा की तुलना में अंग्रेजी भाषा कार्यक्रम प्रसारित करने के लिए अधिक समय आबंटित किए जाने के क्या कारण हैं?

नागर विमानन मंत्री तथा सूचना और प्रसारण मंत्री (श्री सी.एम. इब्राहीम) : (क) और (ख) विश्वविद्यालय अनुदान आयोग तथा इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय कार्यक्रमों का प्रसारण/टेलीकास्ट क्रमशः उच्चतर शिक्षा तथा दूरवर्ती शिक्षा के अन्तर्गत किया जाता है। 1995 तथा 1996 के दौरान शैक्षिक कार्यक्रमों के टेलीकास्ट/प्रसारण हेतु विश्वविद्यालय अनुदान आयोग तथा इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय को आंवटित हिन्दी और अग्रेजी कार्यक्रमों की अवधि सहित समय स्लॉटों के ब्यौरे संलंग्र विवरण में दिए गए हैं। **(नीचे देखिए)**

(ग) तथा (घ) शैक्षिक प्रसारण /टेलीकास्ट विश्वविद्यालय अनुदान आयोग/इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा उपलब्ध कार्यक्रम सामग्रियों पर आधारित होता है जो भाषा तथा अवधि के संदर्भ में भिन्न-भिन्न होता है। आकाशवाणी और दूरदर्शन भाषा के आधार पर कार्यक्रमों में भेदभाव नहीं करते हैं।